आइआइएम में तैयार होंगे प्रबंधक के साथ प्रतिभावान खिलाड़ी

68 एकड़ भूखंड में फैला है आइआइएम रांची, आधारभूत संरचनाओं के विकास के बाद विश्वस्तरीय होगी यहां की व्यवस्था, बढ़ेंगी सुविधाएं

जागरण संवाददाता, रांची : आइआइएम रांची को विश्वस्तरीय बनाने की कवायद शुरू कर दी गई है। यहां दो चरणों में विकास कार्यों को गति दी जा रही है। पहले चरण में रखरखाव तो दूसरे चरण में यहां की आधारभूत संरचना को विकसित करने का काम किया जाएगा। स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं ताकि यहां प्रबंधक के साथ अच्छे खिलाड़ी भी तैया किए जा सकें। इसकी रूपरेखा भी तैयार कर ली गई है। दूसरे चरण में विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में नया हास्टल बनाया जाएगा, ताकि संस्थान में पढ़ने वाले 1200 विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक माहौल मिल सके।

आइआइएम रांची और सेंट्रल पब्लिक वर्क डिपार्टमेंट के बीच हुआ एमओयू : आइआइएम रांची और सेंट्रल पब्लिक वर्क डिपार्टमेंट के बीच मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) हुआ है। एमओयू के तहत सीपीडब्ल्यूडी आइआइएम रांची के मौजूदा परिसर में रखरखाव का कार्य पूरा होने के बाद अब द्वितीय चरण के निर्माण कार्य को पूरा किया जाएगा।

कैंपस में स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का होगा निर्माण : द्वितीय चरण में स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का निर्माण किया जाएगा। इसमें विद्यार्थियों के लिए स्वीमिंग पूल, बास्केटबाल, वालीबाल, लांग टेनिस, बैडमिंटन कोर्ट, स्क्वैश और क्रिकेट व उम्दा फुटबाल स्टेडियम भी होगा। इससे स्पष्ट है कि आइआइएम का प्रबंधन संस्थान को विश्वस्तरीय बनाने पर जोर दे रहा है। ताकि यहां पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं और फैकल्टी को अत्याधुनिक सुविधाएं मिल सकें। आइआइएम के निदेशक ने कहा कि यहां गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक माहौल बनाने के प्रयासों को गति दी जा रही है।

शैक्षणिक विकास और शोध कार्य को दिया जा रहा बढ़ावा : इंस्टीट्यूट आफ नेशनल इंपार्टेंस होने के नाते आइआइएम रांची का प्रबंधन क्षेत्र में लगातार शैक्षणिक विकास और शोध कार्य को बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए अब संस्थान में मैनेजमेंट डेवलपमेंट सेंटर का भी निर्माण किया जाना है, जहां संस्थान के प्राध्यापक, शोधार्थी समेत प्रबंधन क्षेत्र के एक्सपर्ट अपने शोध कार्य को बढ़ावा दे सकेंगे।

छात्र-छात्राओं को मिल सकेंगी आधुनिक सुविधाएं

करीब 68 एकड़ में फैले आइआइएम रांची में आगामी दिनों कई निर्माण कार्य होंगे। जिसके तहत छात्र छात्राओं को अत्याधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। इससे न सिर्फ छात्र छात्राएं बल्कि यहां कार्यरत टीचिंग व नान टीचिंग स्टाफ भी लाभान्वित होंगे। दूसरे चरण में होने वाले निर्माण कार्य के लिए टेंडरिंग प्रक्रिया होगी।

इंडियन इस्टिट्यूट आफ मैनेजमेंट रांची का कैंपस • जागरण

हम किसी भी अवसर को नई चुनौती के साथ-साथ नई संभावनाओं के तौर पर देख रहे हैं। जल्द ही आइआइएम रांची का

अत्याधुनिक परिसर यहां के छात्र-छात्राओं और फैकल्टी को नसीब होगा। इसके लिए सारी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। आइआइएम रांची प्रबंधन संस्थान के अंतरराष्ट्रीयकरण पर जोर दिया जा रहा है। -**प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव**, निदेशक, आइआइएम रांची

इस पूरी प्रक्रिया में सीपीडब्ल्यूडी जैसी संस्था सहयोग करेगी। वहीं, इस संबंध में सीपीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर एमपी सिंह ने कहा कि सीपीडब्ल्यूडी देशभर के कई शैक्षणिक संस्थानों को विकसित कर चुकी है। आइआइएम रांची के साथ संस्था का पुराना संबंध रहा है। नई जिम्मेदारियों का लक्ष्य तय कर लिया गया है।

बेशक आइआइएम रांची में सुविधाएं बढ़ेंगी तो यहां हर कोई लाभान्वित होगा। विशेषकर छात्र छात्राओं के लिए कई सुविधाओं का विस्तार होगा। उन्हें कम से कम राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। -**रुमानी**, छात्रा

आइआइएम रांची को विश्वस्तरीय बनाने की मुहिम शुरू कर दी गई है, यह स्वागतयोग्य है। अब यहां एक ही छत के नीचे सारी सुविधाएं मिलेंगी, जो कि आगामी दिनों में नामांकित होने वाले छात्र छात्राओं को सुखद अहसास दिलाएगा। छात्र-छात्राओं को एक नया अनुभव मिलेगा। -**वंदित मेहता**, छात्र

बहुत ही अच्छी पहल है। वर्तमान में कई सुविधाएं मिल रही हैं। साथ ही आगामी दिनों के लिए जो रूपरेखा तैयार की गई है, वह आइआइएम रांची को बढ़त दिलाएगी। छात्र छात्राओं के साथ साथ फैकल्टी को भी विशेष रूप से तैयार भवन का लाभ मिलेगा। -**हरेकृष्णा**, छात्र

बेशक, यह एमओयू आइआइएम रांची के लिए मील का पत्थर साबित होगा। छात्र छात्राओं के साथ-साथ फैकल्टी को भी विशेष सुविधाएं मिलेंगी। हमारे निदेशक का भी यही विजन है कि यहां विश्वस्तरीय सुविधा मिले। इसी तर्ज पर कार्यों का निष्पादन भी किया जा रहा है। -**रिथिका ओ.**, छात्रा।

Dainik Jagran 02.11.2025, P. 04